मार्च माह की साधनायें

तंत्र सिद्धि दिवस पर अघोरेश्वर अवधूत तंत्र साधना

यह साधना करने से साधक के जीवन में धन, यश, मान, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है तथा साधक के भौतिक जीवन में किसी प्रकार की कोई अड़चन नहीं होती।

उक्त साधना तंत्र सिद्धि दिवस पर जो कि दिनांक 01 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, साधना प्रक्रिया फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 03 पर अंकित है।

रंग पंचमी पर कामेश्वरी साधना

इस साधना को करने से साधक अत्यधिक सुन्दर एवं आकर्षक हो जाता है वह देखने में कितना ही कुरूप क्यों न हो, इस साधना के बाद एक अनोखी वशीकरण शक्ति विकसित होती है उक्त दीक्षा रंग पंचमी पर दिनांक 08 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, जो कि फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 3 पर अंकित है।

शीतला अष्टमी पर चर्म रोग व रक्त निवारण प्रयोग

यह प्रयोग करने से किसी भी प्रकार का चर्म रोग से संबंधित बिमारी में या शरीर में रक्त की न्यूनता हो तो यह प्रयोग तुरन्त सिद्धिदायक होता है।

उक्त साधना शीतला अष्टमी पर दिनांक 11 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, जो कि फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 03 अंकित है।

चन्द्रग्रहण युक्त होलिका दहन पर भैरूण्डा महाविद्येश्वरी तंत्र साधना

चन्द्रग्रहण युक्त होलिका दहन के रात्रि का संयोग तंत्र साधनाओं के लिये विशेष व दुर्लभ समय खण्ड है। इस काल का पूर्णतः लाभ प्राप्त करने हेतु तंत्र साधनायें सर्वोत्तम है।

उक्त साधना चन्द्रग्रहण युक्त होलिका दहन पर दिनांक 03 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, जो कि फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 19 से 20 पर अंकित है।

होली महोत्सव पर तंत्रोमय षोड़श योगिनी साधना

होली उल्लास और रंगो का पर्व है, ये रंग हमारे जीवन में स्थायी रूप से तभी घुल खिल सकते हैं, जब हम उन्हें आत्मसात् करने के लिये क्रियात्मक रूप से सक्रिय हों। परन्तु जीवन में सुनहरे रंगो का लेपन तब ही संभव हो पाता है जब साधक अपने गुरू के निर्देशानुसार साधनात्मक चेतना को आत्मसात् करे।

उक्त साधना होली महोत्सव पर जो कि दिनांक 04 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, साधना प्रक्रिया फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 23 से 25 पर अंकित है।

पाप मोचिनी एकादशी पर पूर्वजन्म कृत पाप शमन फेत्कारिणी साधना

पूर्वजन्म कृत दोषों का शमन व्यक्ति स्वयं कर सकता है, यदि उसके पास श्रेष्ठ गुरू है स्वयं का ज्ञान है और साधना करने की क्षमता है। आप में ये तीनों गुण विद्यमान हैं तो अवश्य सम्पन्न करें।

उक्त साधना पाप मोचिनी एकादशी पर जो कि दिनांक 15 मार्च 2026 को सम्पन्न करे, साधना प्रक्रिया फरवरी की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 27 पर अंकित है।

चन्द्रग्रहण होलिका साधना महो., जोधपुर

01-02-03 मार्च

पूर्णतामय चन्द्र कलाधर सुभाव वृद्धि यक्षिणी चेतना प्राप्ति दीक्षा

चन्द्रग्रहण पूजन मुहुर्त - 02 मार्च दोपहर 02 : 46PM से 03 मार्च सायं 07 : 49PM तक

रोचकता, मौलिकता, उत्साह, तरंग, उमंग यह सब **चंद्रमा** के कारण ही प्राप्त होती है, **सूर्य** या अन्य **क्रूर ग्रहों** के **कोप** से **निवृत्ति** भी **चंद्रमा** की **अभ्यर्थना** से **संभव** है। हमारी सृष्टि **मैथुनी सृष्टि** कहलाती है, जिसका आधार **पति-पत्नी, भोग-आनन्द** युक्त **जीवन** की **अनुकूलता** है। यह **अनुकूलता उच्चतम सोपान** की स्थिति तक **चंद्रमा की अनुकूलता** से ही पहुँच पाती है। अतः अनुकूल **वर** या **वधू** प्राप्त करने के लिये **चंद्रमा की अनुकूलता अनिवार्य** है।

यक्षिणियों की गणना **देव वर्ग** में होती हैं, जिनकी **सानिध्यता** प्राप्त करने से **साधक** के भीतर **देवमय भावों** का **जागरण** होता है। इनके द्वारा **आनन्दप्रद जीवन,** प्रचुर मात्रा में **धन की उपलब्धता,** गृहस्थ जीवन में **मधुरता, अन्न भण्डार** व **आर्थिक आय** में स्थायित्व की **सुस्थितियों** का **लाभ** प्राप्त होता है। इसके साथ ही **साधक** में **सम्मोहन, वशीकरण, आकर्षण** आदि की **चेतना** व्याप्त होने लगती है, उसके **व्यक्तित्व** में **प्रखरता** व **दिव्यता का संचार** हो जाता है और सभी प्रकार के **सुख, भोग-विलास** का अधिकारी बन जाता है। **सांसारिक जीवन** में ऐसी **दिव्य चेतना आत्मसात** करने से **दैवीय स्वरूपिणी यक्षिणी चैतन्य भाव** में **साधक** के जीवन को निरन्तर सभी **दृष्टियों** से **उच्चता** प्रदान करने में **सहायक** बनी रहती है।

अतः **चन्द्रग्रहण** युक्त **होलिका पर्व** के **विशिष्ट युग्म** काल में अपने **गृहस्थ जीवन** को उक्त **सुस्थितियों** से **परिपूर्ण** करने हेतु **सद्गुरूदेव जी** विशेष मुहूर्त काल में **चन्द्रमा की चेतना** से युक्त **यक्षिणी साधना, पूजा, हवन** सम्पन्न कर **दिव्यपात दीक्षा** प्रदान करेंगे। जिससे आपके जीवन में **सहजता** से **सुमंगलमय स्थितियों** का विस्तार हो सकेगा। अतः यह **चैतन्य दीक्षा** परिवार के सभी सदस्यों को ग्रहण करायें, तब ही **सम्पूर्ण परिवार धन, यश, लक्ष्मी वृद्धिमय** बन सकेगा।

पूर्णतामय चन्द्र कलाधर सुभाव वृद्धि यक्षिणी चेतना प्राप्ति दीक्षा न्यौछावर ₹1800/-